कायम जिंदगी

विश्वास की कसौटी पर
कायम है जिंदगी,
अपनो का साथ रहे तो
जनत है जिंदगी,
मीठी जुबान की दरिया दिली से
खुश रहती है जिंदगी,
जो आज है साथ कल ना रहेगा
यूँ ही चलेगी जिंदगी,
अच्छा बुरा दौर चलता ही रहेगा
साथ फिर है जिंदगी,
ना समझना कभी छोटा बड़ा मुझे
कहती है जिंदगी,
धुन में चलना तो फितरत है उसकी
फिर भी न रूठे जिंदगी,
उमड़ घुमड़ कर बरसते बादलों की
घटा है जिंदगी,
प्रेम से साथ निभाने वालों पर ही
मेहरबां जिंदगी,
मानव सेवा करने वालों के सामने
झुकती है जिंदगी,
हर जीव पर दया करने वालों की
है साँस जिंदगी,
अंकुर से फल की दूरी भी
बनती हे जिंदगी,

✍ गोपाल कृष्ण व्यास